

Jam 1:22 a δὲ | Γίνεσθε | ποιηταὶ
 | | | λόγου

b καὶ | | ἀκροαταὶ
 | | | μὴ | μόνον

c παραλογιζόμενοι | ἐαυτούς.

Jam 1:23 c ὅτι οὗτος | ἔοικεν |
 | | | ἀνδρὶ
 | | | κατανοοῦντι | τὸ πρόσωπον
 | | | ἐν ἑσώπτρῳ | τῆς γενέσεως
 | | | αὐτοῦ

εἴ

a τις | ἐστὶν | ἀκροατῆς
 | | | λόγου

b καὶ | | ποιητῆς
 οὐ

Jam 1:24 a γὰρ | κατενόησεν | ἐαυτὸν

b καὶ | ἀπελήλυθεν

c καὶ | ἐπελάθετο | ἦν. | ὁποῖος
 | | | εὐθέως

